सरयू राय
मंत्री
संसदीय कार्य–सह
खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं
उपभोक्ता मामले विभाग
झारखण्ड सरकार

झारखण्ड सरकार

कार्यालय :-
झारखण्ड मंत्रालय
प्रोजेक्ट भवन, धुर्वा, राँची
आवास : एफ॰टाईप, पी॰डब्लू॰डी॰ (IB)
डोरण्डा, राँची
मो॰ : 9431114466

पत्रांक आ.का./64/16 दिनांक 10-06-2016

माननीया राज्यपाल जी,
झारखंड, रांची.

विषय: देवनद दामोदर को अतिक्रमण और प्रदूषण से मुक्त करने के संबंध में.

महोदया,

उपर्युक्त विषय में मैं 2004 से सरकार और समाज का ध्यान आकृष्ट करता रहा हूं. 29 मई 2004, गंगा दशहरा के दिन दामोदर बचाओ आन्दोलन के तत्वावधान में हमलोगों ने देवनद दामोदर के उद्‌गम स्थल चुल्हा पानी से डीवीसी मुख्यालय कोलकाता तक एक अध्ययन सह जागरण यात्रा आरम्भ किया था जिसका समापन 5 जून 2004, पर्यावरण दिवस पर हुआ. तब से लगातार इस संदर्भ में केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और दामोदर को प्रदूषित एवं अतिक्रमित करनेवाले लोक उपक्रमों एवं नगर निकायों का ध्यान हम आकृष्ट करते रहते हैं. गत वर्ष मैंने इस बारे में केन्द्रीय कोयला एवं ऊर्जा मंत्री श्री पीयूष गोयल से इस बारे में हस्तक्षेप; करने का अनुरोध किया था. उन्होंने पहल की और 19 मई, 2015 को अपने कार्यालय कक्ष में उन उपक्रमों के शीर्ष अधिकारियों की बैठक की और मुझे भी बुलाया. विचारोपरांत उन्होने निर्देश दिया कि कोई भी लोक उपक्रम दामोदर में प्रदूषित बहिस्राव नहीं गिरायेगा. सभी ने कहा कि 3 माह के भीतर वे इसकी कार्य योजना प्रस्तुत करेंगे और लागू करेंगे. परंतु डीवीसी को छोड़ किसी ने भी कार्य योजना नहीं प्रस्तुत की.

विगत 29 मई 2016 से मैंने यह जानकारी करने के लिये धनबाद जिला के सिन्दरी से लातेहार जिला के चंदवा तक यात्रा की कि इन लोक उपक्रमों ने अपना वादा किस हद तक पूरा किया है. मैंने जो अनुभव किया, वह निम्नांकित है:-

1. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) की चासनाला वाशरी और बीसीसीएल की सुदामडीह वाशरी के दूषित बहिस्राव का प्रतिकूल प्रभाव दामोदर पर स्पष्ट झलक रहा है. सुदामडीह रेल पुल के नीचे दामोदर जल का प्रदूषण इतना भीषण है कि वर्णन संभव नहीं है.

email : saryuroy@gmail.com/info@saryuroy.in/वेबसाईट – www.saryuroy.in

2. बीसीसीएल की मधुबन वाशरी के दूषित बहिस्राव का प्रतिकूल प्रभाव दामोदर की सहायक नदी जमुनिया पर दिखता है.

3. चन्द्रपुरा में डीवीसी के चन्द्रपुरा ताप बिजली घर ने नये प्लांट के प्रदूषण को नियंत्रित किया है जिसका अच्छा प्रभाव सभी महसूस कर रहे हैं. दामोदर बचाओ आंदोलन के और वहां के मुखिया लोगों ने यह सूचित किया. अपने पुराने प्लांटों को वे क्रमवार बंद करने की योजना पर काम कर रहे हैं

4. भंडारीदह में सेल की रिफ्रैक्टरी बीआईएस दामोदर को गंदा कर रही है.

5. फुसरो के हिन्दुस्तान पुल के नीचे सीसीएल के रिजेक्ट कोल से दामोदर का वेड भरा हुआ है. कारण कि इसके ऊपर रेवाघाट में सीसीएल ने दामोदर के तट को अतिक्रमित कर रिजेक्ट कोल का पहाड़ काफ़ी दिन से खड़ा कर रखा है.

6. उसके ऊपर दामोदर और कोनार का संगम है. यह स्थान पहले डीवीसी के बोकारो थर्मल और सीसीएल की कोलवाशरी के प्रदूषण से इतना गंदा रहता था कि इसके नीचे जरीडीह बाज़ार में पेयजल संकट था. यहां पानी इतना गंदा था कि जानवर भी पीने से कतराते थे. पर यहां पानी अब साफ़ है. लोग इसका उपयोग पीने के लिये कर रहे हैं. क्योंकि बोकारो थर्मल ने कोनार में और कथारा वाशरी ने दामोदर में दूषित बहिस्राव गिराना बंद कर दिया है.

7. परंतु यहां पर लगे सीसीएल के रिजेक्ट कोल से चलने वाले पावर प्लांट की राख से वायु प्रदूषण हो रहा है. बोकारो थर्मल की चिमनियां भी वायुप्रदूषण कर रही हैं.

8. जारंगडीह की 50 साल पुरानी सीसीएल खदान का गंदा पानी वहां फिर से खनन कर रही हैं। आउटसोर्सिंग करनेवाली कंपनी ने सीधे कोनार में डाल रही है जिसके कारण नदी में नहाने वाले ग्रामीणों की त्वचा पर फोड़े-फुन्सी हो जा रहे हैं.

9. झारखंड सरकार का टीवीएनएल भी अपनी छाई/राख का ठीक प्रबंधन नही कर पा रहा है. राख के एक अंश का प्रवाह सीधे दामोदर मे गिरने के प्रमाण प्लांट के पीछे के हिस्से में जाने पर साफ़ दिखे.

10. शक्तिपीठ रजरप्पा में स्थिति ठीक नहीं है. सीसीएल की रजरप्पा वाशरी का कुप्रभाव दामोदर पर स्पष्ट है. सबसे बुरी हालत दामोदर की सहायक नदी भैरवी की है जो शक्तिपीठ की प्राण है. ऊपर में बने भैरवा जलाशय के कारण भैरवी सूख गई है और गंदगी का अंबार बन गयी है. रामगढ़ में कैन्टोनमेंट की सारी गंदगी दामोदर के पेट में पहुंच रही है.

Scanned with OKEN Scanner

11. झारखंड सरकार का पतरातू थर्मल पावर स्टेशन जिसे अब एनटीपीसी ने ले लिया है, अपनी पूरी राख और दूषित बहिस्राव नलकारी नदी में गिरा रहा है जो आगे जाकर भुरकुंडा संगम पर दामोदर में मिलती है। संगम पर नलकारी के प्रदूषण का असर दामोदर पर साफ दिखता है और प्रचुर मात्रा में दिखता है.

12. सीसीएल की पीपरवार वाशरी ने दूषित प्रवाह दामोदर में गिरने से रोक दिया है पर यहां से डकरा जाने के रास्ते मे दामोदर को अप्राकृतिक रूप से बांध दिया गया है जिसे एक माह में हटा देने की गारंटी वहां के जीएम ने दिया.

13. डकरा के रास्ते में दामोदर की सहायक नदी सपही के साथ घोर अत्याचार दिखा. सपही के पेट में ईंट भट्ठे चल रहे हैं. ईंटें बनायी भी जा रही हैं और पकाई भी जा रही हैं. यह सरकार की नियंत्रक प्राधिकारों की कार्य संस्कृति प्रदर्शित करती है.

14. डकरा-खलारी में तो सीसीएल की और सीसीएल की जमीन पर स्थापित मोनेट इस्पात की कोलवाशरी की प्रदूषक गतिविधियां घोर अनैतिक एवं आपराधिक हैं. डकरा की वाशरियां भी नियमों-कानूनों को धता बता रही हैं पर मोनेट की वाशरी और साइडिंग तो धृष्टता का नग्न प्रदर्शन कर रही हैं. दामोदर की सहायक नदी सोनाडूबी के अंक किनारे पर मोनेट इस्पात ने कोल वाशरी लगा रखी है. उसके ठीक सामने सीसीएल-मोनेट की रेलवे साइडिंग है. दोनों ही तरफ से कोयला प्रचुर मात्रा में नदी में गिर रहा जिससे नदी भर गयी है. बीच में थोड़ी जगह बची है तो उसमें कोयला भरकर इस पार से उस पार तक रास्ता बना दिया गया है. नदी का दम घुट गया है. नदी मृतप्राय हो गई है. नदी का गला घोंटकर मार देने की साजिश को सीसीएल और मोनेट ने मिलकर अंजाम दिया है. इसके लिये इन्हें जितना भी कठोर दंड मिले, वह कम है, इन्हें जितनी भद्दी से भद्दी गालियां दी जायें, वे अपर्याप्त हैं. इसके ऊपर तो सीसीएल ने नदी को भरकर जल प्रवाह के लिये संकीर्ण जगह बना दिया है. नदी वहां ठिठककर ठहर गयी है. आश्चर्य तो यह है कि इसके नीचे नदी के बेड तक सीसीएल ने विस्थापितों को बसा दिया है जिनमें से अधिकांश के घर में हर साल बरसात में नदी का पानी घुस जाता है.

15. चंदवा में दामोदर पहाड़ से मैदान में उतरते हैं, जैसे गंगा जी हरिद्वार में. यहां पर नद से बालू निकालने का गंदा खेल होता है. यहां स्थित दो निजी ताप बिजली घरों के निर्माण में लगी एजेंसियों ने नद के पेट से पूरा बालू निकाल लिया है. एनएच पर चलने वाले सैकड़ों भारी वाहनों की धुलाई सीधे दामोदर में घुसा कर की जाती है. इससे जल प्रदूषण होता है.

16. सीसीएल, बीसीसीएल एवं अन्य कंपनियों ने प्रदूषित जलप्रवाह जनित प्रदूषण के साथ ही अपने ओवरबर्डेन और रिजेक्ट से अनेक स्थानों पर अतिक्रमण कर लिया है. प्रदूषण का एक

Scanned with OKEN Scanner

और स्रोत दामोदर के दोनों तरफ़ बसे छोटे-बड़े नगरीय क्षेत्रों से निकल रहा है. आवासीय परिसरों से निकलने वाले जल-मल के निस्तार के उपाय दामोदर किनारे या दूरस्थ जलग्रहण क्षेत्रों में बसे छोटे-बडे किसी भी कस्बे ने नहीं अपनाया है. नगरीय प्रदूषण स्वच्छ दामोदर की राह में बड़ी बाधा बनकर खड़ा है.

17. सेल की इकाई बोकारो स्टील लि० दामोदर को बुरी तरह प्रदूषित कर रहा है. इसके लाल अम्लीय बहिस्राव से दामोदर के जलीय जीवों और समीपवर्ती इलाकों के मनुष्यों और जानवरों को नुकसान पहुंच रहा है. 2004 की अध्ययन सह जनजागरण यात्रा में हमारे साथ चल रही विशेषज्ञ टीम ने जलगुणवत्ता की अम्लीयता को नापा था. आज भी वही 3.4/3.5 पीएच का बहिस्राव जारी है. इस वर्ष अप्रैल मे दामोदर की धारा से अधिक चौड़ी धारा बोकारो स्टील के अम्लीय बहिस्राव की थी जिसे ग्रामीणों की गुहार पर स्वयं वहां जाकर मैंने देखा था. बहिस्राव से अम्ल की गंध आ रही थी. विगत 5 जून 2016 को विश्व पर्यावरण दिवस के दिन दामोदर बचाओ आंदोलन के तत्वावधान में स्थानीय लोगों ने बोकारो स्टील मेन गेट के सामने प्रदूषण के ख़िलाफ़ एक बड़ा धरना देकर कम्पनी को आईना दिखाया है.

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि जिस स्थान पर दामोदर के प्रदूषण में कमी आयी है, वहां का जल स्वच्छ हो गया है. इससे लगता है कि अगर औद्योगिक एवं नगरीय इकाइयां दामोदर को गंदा करना छोड़ दें, तो एक बरसात में ही दामोदर अपने आप को पूरी तरह स्वच्छ कर लेंगे. अभी भी कई इकाइयां ऐसी हैं जिनका रवैया दामोदर को प्रदूषण मुक्त एवं अतिक्रमण मुक्त करने में अनाकानी करने का है. इन्हें नियंत्रित करना आवश्यक है. इस संदर्भ में आपसे अपेक्षित पहल हेतु विनम्र निवेदन है.

सादर,

भवदीय

10.6.16

सरयू राय

सेवा में,
श्रीमती द्रौपदी मुर्मू
माननीया राज्यपाल
झारखंड, रांची.

Scanned with OKEN Scanner